

DAV INSTITUTIONS, CHHATTISGARH**SAMPLE QUESTION PAPER – 5 : 2023-24**

Class: XII

Time Allowed : 3 hrs.

Subject – Hindi (Core)

Max. Marks: 80

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्न पत्र मे दो खंड है - खंड 'अ' और 'ब'। कुल प्रश्न 14 हैं।
- खंड 'अ' में उप - प्रश्नों सहित 40 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, सभी 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
- खंड 'ब' में 08 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड – 'अ'**बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न**

प्रश्न. 1) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए –

एक युवा अपनी जोश और ताकत से पूरी तरह ओत – प्रोत होता है। युवा पीढ़ी किसी भी समाज और देश की रीढ़ की हड्डी होती है। किसी भी देश के युवा ही उस देश का भविष्य तय करते हैं। इसकी बानगी हम स्वाधीनता संग्राम में देख चुके हैं। युवा की सबसे बड़ी खासियत है कि वह फौलादी जिगर, दृढ़ इच्छा शक्ति, जोखिम लेने की क्षमता और कुछ नया करने की ललक रखते हैं। जब युवाओं की बात हो तो भला स्वामी विवेकानन्द को कौन भूल सकता है जो आज भी दुनिया के लाखों युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत हैं। स्वामी विवेकानन्द जी ने कहा था कि युवा ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। युवाओं को अवसर दिए बिना कोई भी देश प्रगति नहीं कर सकता है। आज भारत को हम सबसे बड़ा युवा देश कह सकते हैं, वह इसलिए नहीं कि देश अभी – अभी आजाद हुआ है बल्कि इसलिए क्योंकि इस समय भारत में युवा वर्ग की जनसंख्या पूरे विश्व के देशों से अधिक है।

युवा की विशेषता यही है कि उसके काम में तेज़ी, फुर्ती और एक नया जोश है, उसमें उर्जा की भरमार है। पर हाँ, यह नहीं कि युवाओं से बड़े, जिन्हें हम बुजुर्ग कह सकते हैं, उनकी ज़रूरत नहीं है, ऐसा कहना उचित नहीं है। बुजुर्ग भी देश के विकास के लिए उतने ही ज़रूरी हैं जितने युवा। इन दोनों के ताल – मेल से बड़े से बड़े कार्य को जल्द से जल्द और एक बेहतर तरीके से कर सकते हैं। बड़े-बुजुर्ग अपने अपने अनुभव और युवा अपनी उर्जा का उपयोग कर देश को नई उपलब्धि दिला सकते हैं पर देश का दुर्भाग्य ही समझो कि युवा और बुजुर्गों के ताल-मेल में कमी आ रही है। हमारी संस्कृति जिसमें युवाओं को अपने बुजुर्गों से सीखना चाहिए वे उनसे दूर होते जा रहे हैं। आज का आधुनिकीकरण दोनों वर्गों में जैसे दीवार बन गया हो।

अब वक्त आ गया है कि युवा सक्रिय राजनीति में प्रवेश करें क्योंकि हमारी राजनीति बूढ़ी हो गई है और यह हमारे देश की अपेक्षा को पूरा नहीं कर सकती। भ्रष्टाचार को लगाम लगाने के लिए युवाओं को अब तैयार होना होगा। युवाओं को एक जिम्मेदार नागरिक बनना होगा। पढ़े – लिखे ज्यादातर युवा राजनीति से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन कमल तोड़ना है तो कीचड़ में उतरना ही होगा। ठीक उसी प्रकार राजनीति में आए बिना राजनीति को शुद्ध करना संभव नहीं है। अतः मैं चाहता हूँ कि युवा राजनीति में प्रवेश करें। तभी देश के संसाधनों का सही इस्तेमाल होगा और तब जाकर कहीं शोषित-वंचित वर्ग को उनका हक मिल सकता है।

अतः आज के युवा को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए और कोई भी काम व्यक्तिगत लाभ के बजाए समाज तथा देश हित में करना चाहिए परिवार से समाज बनता है और समाज से देश बनता है। आज की युवा पीढ़ी का अपने परिवार की ओर उदासीनता देख मन काफी व्यथित होता है। माँ-बाप सीमित संसाधनों में भी अपने बच्चों को तमाम सुख-सुविधा देने का भरसक प्रयास करते हैं, परंतु माँ-बाप का बोझ आज की हमारी युवा पीढ़ी नहीं उठा पा रही है। यह बड़े ही शर्म की बात है जिसने हमारी दुनिया को सजाया हो उसे हम वृद्धाश्रम में छोड़ आते हैं। उनकी कुछ बुनियादी ज़रूरतों को भी पूरा नहीं कर पाते और अगर एक युवा इतना भी नहीं कर सकता तो यह युवा पीढ़ी के लिए शर्म की बात है। अतः हमारे युवाओं को अपने परिवार के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार बनाना होगा। मैं तो सोचता हूँ कि युवा पीढ़ी के रहते वृद्धाश्रम बनाना ही बड़े शर्म की बात है।

समाज में हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाना भी युवाओं की ही जिम्मेदारी है अर्थात् एक स्वस्थ समाज की संकल्पना तभी पूरी हो सकती है, जब हर युवा ईमानदारी से अपने परिवार, समाज और देश के प्रति छोटी-छोटी जिम्मेदारियों को पूरा करेगा।

1. भारत को युवा भारत क्यों कहा जाता है ?
 - (क) स्वतंत्रता प्राप्ति को अभी बहुत समय न होने के कारण
 - (ख) भारत की जनसंख्या विश्व में बहुत अधिक होने के कारण
 - (ग) भारत में युवाओं की संख्या अधिक होने के कारण
 - (घ) देश के विकास में युवाओं की सहभागिता अधिक होने के कारण

2. युवा पीढ़ी को किसी भी देश की 'रीढ़ की हड्डी' क्यों कहा गया है ?
 - (क) उसे दृढ़ता प्रदान करने की शक्ति के कारण
 - (ख) उसका भविष्य निर्माता होने के कारण
 - (ग) उसकी स्वतंत्रता की रक्षा करने के कारण
 - (घ) जोश और ताकत से ओत-प्रोत होने के कारण

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –

कथन (I) देश की राजनीति बूढ़ी हो गई है

कथन (II) लोगों की अपेक्षाएँ अधूरी रह गई हैं

कथन (III) देश के युवाओं से राजनीति में प्रवेश का आग्रह करने का मुख्य उद्देश्य देश की रक्षा करना है

कथन (IV) देश के युवाओं को सब कुछ आता है

सही कथन / कथनों वाले विकल्प को चयनित कर लिखिए –

(क) केवल कथन (IV) सही है	(ख) केवल कथन (II) सही है
(ग) केवल कथन (III) सही है	(घ) केवल कथन (I) सही है

4. देश के विकास के लिए युवाओं और बुजुर्गों के बीच ताल-मेल क्यों जरूरी है ?
 - (क) युवाओं का जोश और बुजुर्गों का संयम देश को नई उपलब्धि दिलवा सकता है
 - (ख) युवाओं की उर्जा और बुजुर्गों का अनुभव देश को नई उपलब्धि दिलवा सकता है
 - (ग) युवाओं की गति और बुजुर्गों का प्रबंधन देश को नई उपलब्धि दिलवा सकता है
 - (घ) युवाओं की फुर्ती और बुजुर्गों का धैर्य देश को नई उपलब्धि दिलवा सकता है

5. युवाओं और बुजुर्गों के बीच बढ़ती खाई का कारण है –

(क) तकनीक का विकास	(ख) व्यस्त जीवन – शैली
(ग) पाश्चात्य संस्कृति	(घ) आधुनिकीकरण

6. विवेकानंद जी की दृष्टि में युवाओं के लिए शर्म की क्या बात है –

(क) बड़े – बुजुर्गों की उपेक्षा	(ख) युवा-पीढ़ी की संवेदनहीनता
(ग) वृद्धाश्रमों का बनना–बनाना	(घ) युवाओं का गैर – जिम्मेदार रवैया

प्रश्न. 2) दिए गए पद्यांश पर आधारित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प चुनिए।

कुश्ती कोई भी लड़े
ढोल बजाता है सिमरू ही
जिसके सधे हाथ
भर देते हैं जोश पूरे दंगल में
उछलने लगती मिट्टी पूरे अखाड़े की
ताक धिना-धिन ताक धिना-धिन
झौकने लगते हैं लोग
एक-दूसरे के कन्धों के उपर से
उचक-उचक कर
बहुत गहरा है रिश्ता
सिमरू और ढोल काजैसे साँस और धड़कन का
ढोल खामोश है
तो खामोश है
अखाड़े की माटी
खामोश ढोल को
जगाएँगे हाथ सिमरू के
ढोल बजेगा
जगेगा अखाड़ा
जगेगी माटी अखाड़े की
माटी ही तो है
जो स्वीकारती है सभी को
अच्छे हों या बुरे
हर रूप में

प्रश्न. 4) निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प को चुनिए।

हो जाए न पथ में रात कहीं
मंजिल भी तो है दूर नहीं
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी—जल्दी चलता है।
दिन जल्दी—जल्दी ढलता है
बच्चे प्रत्याशा में होंगे
नीड़ो से झाँक रहे होंगे
यह ध्यान परां में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है
दिन जल्दी—जल्दी ढलता है।

$$(1 \times 5 = 5)$$

1. चिड़ियों के बच्चे कहाँ से झाँक रहे हैं ?
(क) छत से (ख) अण्डों से (ग) नीड़ों से (घ) बिलों से
 2. निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए पद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए –
(क) जीवन रूपी पथ में अँधेरा छाने के भय से कवि भयभीत है
(ख) जीवन रूपी पथ में अँधेरा छाने के भय से चिड़िया भयभीत है
(ग) जीवन रूपी पथ में अँधेरा छाने के भय से बच्चे भयभीत है
(घ) जीवन रूपी पथ में अँधेरा छाने के भय से राहगीर भयभीत है
 3. चिड़िया किसके बारे में सोच कर चंचल हो रही है ?
(क) भोजन के (ख) बच्चों के (ग) मौसम के (घ) दुश्मन के
 4. निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यान पूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए –
कथन (A) : दिन जल्दी – जल्दी ढलता है में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है ।
कारण (R) : जल्दी शब्द की आकृत्ति एक से अधिक बार होने और अर्थ एक समान रहने के कारण यहाँ पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है ।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं
(ग) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है
(घ) कथन (A) गलत है, कारण (R) सही है
 5. इस काव्यांश के रचयिता कौन है ?
(क) शमशेर बहादुर सिंह (ख) कुँवर नारायण
(ग) रघुवीर सहाय (घ) हरिवंशराय बच्चन

प्रश्न. 5) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

$$(1 \times 5 = 5)$$

सेवक धर्म में हनुमान से स्पर्धा करने वाली भक्तिन अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है —नाम है लछमिन अर्थात् लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी थी। वैसे जीवन में प्रायः सभी को अपने—अपने नाम क विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है, पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समदधि सचक नाम किसी को नहीं बताती थी।

- भक्तिन के सेवक धर्म की तुलना किससे की गई है ?
(क) हनुमान (ख) तुलसीदास (ग) मीराबाई (घ) लक्ष्मण
 - भक्तिन का वास्तविक नाम क्या था ?
(क) महादेवी (ख) कमला (ग) लक्ष्मी (घ) राधा

प्रश्न. 6) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेतु सही विकल्प चयन कीजिए – (1x10=10)

7. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –

8. सिंधु सभ्यता पोषित थी ।

- (क) राज पोषित
(ग) समाज पोषित

- (ख) धर्म पोषित
(घ) श्रमिक पोषित

9. सिंधु सभ्यता तकनीक—सिद्ध से ज्यादा कला—सिद्ध थी । इस बात का प्रमाण है —

- (क) धातु और पथर की मूर्तियाँ
(ख) सुनिर्मित मोहरें व उन परबनी आकृतियाँ
(ग) सुघड़ अक्षरों का लिपि रूप
(घ) उपर्युक्त सभी

10. मुअनजोदड़ो के अजायब घर की खासियत क्या है ?

- (क) सोने के गहनों का मिलना
(ख) पथर के औजार मिलना
(ग) माप—तौल के पथर मिलना
(घ) हथियारों का न मिलना

खंड — 'ब'

प्रश्न. 7) दिए गए अप्रत्याशित विषयों में से किसी एक पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए — 6

- (क) जब मैं फेल हो गया
(ख) विज्ञान की अद्भुत खोज : मोबाइल फोन
(ग) बचपन का हनन: बाल मजदूरी

प्रश्न. 8) निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यान पूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिए—
(2x2=4)

- (क) कहानी और नाटक में क्या — क्या असमानताएँ होती हैं ?

अथवा

- रेडियो नाटक की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए
(ख) इम्तिहान के दिन विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए

अथवा

- टेलीविजन की तुलना में रेडियो माध्यम की कोई दो सीमाएँ बताइए।

प्रश्न. 9) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 60 शब्दों में लिखिए — (3x2=6)

- (क) विशेष लेखन का आशय समझाइए
(ख) संचार माध्यमों में साक्षात्कार के मुख्य उद्देश्य लिखिए
(ग) मुद्रित माध्यमों की विशेषताएँ लिखिए

प्रश्न. 10) काव्य खंड पर आधारित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए — (3x2=6)

- (क) 'कैमरे में बंद अपाहिज' नामक कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।
(ख) 'उषा' कविता के आधार पर गाँव की सुबह का वर्णन अपने शब्दों में करे ।
(ग) कवि ने कविता की उड़ान और खिलने को चिठ्ठिया और फूलों से किस तरह भिन्न बताया है ?

प्रश्न. 11) काव्य खंड पर आधारित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए — (2x2=4)

- (क) 'जन्म से ही वे लाते हैं 'अपने साथ कपास' — कपास के बारे में सोचे कि कपास से बच्चों का संबंध कैसे बन सकता है ?
(ख) दूरदर्शन वाले कैमरे के सामने कमज़ोर को ही क्यों लाते हैं ?
(ग) तुलसीदास के समय तत्कालीन समाज कैसा था ?

प्रश्न. 12) गद्य खंड पर आधारित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए — (3x2=6)

- (क) जाति और श्रम विभाजन में बुनियादी अंतर क्या है ?
(ख) हृदय की कोमलता बचाने के लिए व्यवहार की कठोरता क्यों ज़रूरी है ?
(ग) ढोलक की थाप से मृत गाँव में कैसी समानता दर्शायी गई है? कला से जीवन के संबंध को ध्यान रखते हुए उत्तर दीजिए ।

प्रश्न. 13) गदय खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए – (2x2=4)

- (क) लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत संन्यासी की तरह क्यों माना है ?
- (ख) लोगों ने लड़कों की टोली को मेढ़क – मंडली नाम किस आधार पर दिया ? यह टोली अपने आप को इंद्रसेना कहकर क्यों बुलाती थी ?
- (ग) भवितन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा, क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं। लेखिका ने ऐसा क्यों कहा होगा ?

प्रश्न. 14) वितान पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए – (2x2=4)

- (क) सिंधु धाटी सभ्यता को वास्तुकला का बेजोड़ नमूना किसे माना जाता है ?
- (ख) मास्टर सौंदलगेकर ने लेखक को कविता के बारे में क्या बताया ?
- (ग) 'जूझ' कहानी का उद्देश्य अपने शब्दों में लिखिए ।